RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
01
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

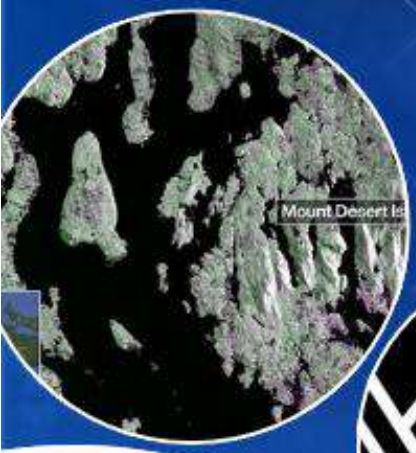

By Ankit Avasthi Sir

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की पहली तस्वीरें भेजीं / NASA-ISRO NISAR Satellite Sends First Earth Images

संदर्भ:

NASA और ISRO की संयुक्त **सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR) मिशन** ने हाल ही में पृथ्वी की सतह की अपनी पहली तस्वीरें भेजी हैं। यह महत्वपूर्ण सफलता मिशन को 2025 के अंत तक पूर्ण वैज्ञानिक संचालन में प्रवेश करने से पहले एक बड़ा कदम है। प्राप्त डेटा वैश्विक स्तर पर आपदा प्रबंधन, अवसंरचना निगरानी और कृषि प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

पहली तस्वीरें और उनका महत्व:

सबसे पहली रडार तस्वीरें **मेन (Maine) के माउंट डेज़र्ट आइलैंड** और **नॉर्थ डकोटा (North Dakota) के उत्तर-पूर्वी हिस्से** की ली गईं। इन तस्वीरों का महत्व इसलिए है क्योंकि इनमें –

- जलाशयों, जंगलों, खाली जमीन और मानव-निर्मित संरचनाओं को बहुत साफ़-साफ़ अलग-अलग पहचाना जा सकता है।
- रडार की क्षमता इतनी उन्नत है कि यह 5 मीटर तक छोटे-छोटे ऑ जेक्ट भी पकड़ सकता है।
- इन तस्वीरों में भूमि उपयोग के पैटर्न जैसे कि वेटलैंड्स (दलदली क्षेत्र), कृषि क्षेत्र और सिंचाई की तकनीकें भी स्पष्ट दिखाई देती हैं।

निसार उपग्रह (NASA–ISRO SAR Mission):

निसार (NISAR – NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar) नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह है। इसका प्रक्षेपण **30 जुलाई 2025** को किया गया। यह उपग्रह उन्नत **एल-बैंड (L-Band) और एस-बैंड (S-Band) SAR तकनीक** का उपयोग करता है, जो इसे दुनिया का पहला **डुअल-फ्रिक्वेंसी रडार इमेजिंग उपग्रह** बनाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह मौसम या दिन-रात की परवाह किए बिना पृथ्वी की सतह की **उच्च-गुणवत्ता रडार छवियाँ** प्रदान कर सकता है।

मिशन प्रोफ़ाइल:

- **मिशन अवधि:** न्यूनतम **3 वर्ष**
- **कक्षा (Orbit):**
  - ऊँचाई – **747 किमी**
  - प्रकार – **सूर्य-समकालिक कक्षा**
  - रिपीट साइकिल – **12 दिन**
- **भार (Weight):** लगभग **2800 किग्रा**
- **लागत (Cost):** लगभग **1.5 अरब अमेरिकी डॉलर**, अब तक के सबसे महंगे उपग्रह मिशनों में से एक
- **विशेषता:** दुनिया का पहला उपग्रह जो **S और L बैंड दोनों फ्रिक्वेंसी** पर कार्य करेगा।

रडार प्रौद्योगिकी (Radar Technology):

निसार को अब तक की सबसे उन्नत **Synthetic Aperture Radar (SAR)** तकनीक से बनाया गया है।

- **एंटेना:** विशाल **12-मीटर एंटेना** लगाया गया है।
- **स्वीप SAR तकनीक:**
  - **3D उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवियाँ** उपलब्ध कराता है।
  - एक बार में **242 किमी चौड़ाई** क्षेत्र को कवर कर सकता है।

L-Band SAR (NASA JPL द्वारा विकसित):

- **तरंगदैर्घ्य (Wavelength):** लगभग **24 सेमी**
- **विशेषता:** वनस्पति और सतह सामग्री को भेदकर गहराई तक डेटा प्रदान करता है।
- **उपयोग:**
  - **ठोस पृथ्वी प्रक्रियाएँ** (भूकंपीय गतिविधियाँ, भूगर्भीय परिवर्तन)
  - हिम चादरों (Ice Sheets) की गतिशीलता
  - बायोमास में परिवर्तन का अध्ययन

S-Band SAR (ISRO द्वारा विकसित):

- **तरंगदैर्घ्य (Wavelength):** लगभग **10 सेमी**
- **विशेषता:** सतह की हल्की-सी विकृति (Surface Deformation) को पकड़ने में सक्षम।

उपयोग:

- **भूकंप**
- **ज्वालामुखी गतिविधि**
- **भूस्खलन** जैसी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी

निसार के प्रमुख उपयोग (Key Applications):

1. **सतह निगरान:** भूगर्भीय हलचल और संरचनात्मक बदलावों का पता लगाना।
2. **सभी मौसमों में:** बादल, वर्षा या अंधकार की स्थिति में भी निरंतर डेटा।
3. **आपदा मानचित्रण:** भूकंप, बाढ़, भूस्खलन और ज्वालामुखी जैसी आपदाओं का आकलन।
4. **हिमनद एवं हिमचादर अध्ययन:** ग्लेशियर और हिमचादरों की निगरानी, समुद्र-स्तर अनुमान हेतु।

सहयोग पोर्टल / Sahyog Portal

संदर्भ:

एक्स (X) के ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स हैंडल ने पोस्ट किया है कि वह कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश के विरुद्ध अपील करेगा, जिसमें केंद्र सरकार के विवादास्पद 'सहयोग' पोर्टल संबंधी आदेशों को बरकरार रखा गया है. एक्स ने सहयोग' पोर्टल को 'गुप्त ऑनलाइन पोर्टल' बताया है।

X ने कंटेंट हटाने के अधिकार पर विरोध जताया:

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X** ने कहा है कि **सहयोग पोर्टल** के माध्यम से बिना किसी न्यायिक समीक्षा के कंटेंट हटाने का आदेश देने का प्रावधान लोकतांत्रिक मूल्यों और यूज़र्स के अधिकारों के लिए खतरा है।

- कंपनी के अनुसार, यह नई व्यवस्था कानून का समर्थन नहीं करती, आईटी अधिनियम की धारा 69ए को दरकिनार करती है, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों की अनदेखी करती है और भारतीय नागरिकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ स्पीच) के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।

सहयोग पोर्टल क्या है?

भारत सरकार द्वारा विकसित एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे मुख्य रूप से गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इसका उद्देश्य भारत में साइबर अपराधों को रोकना, उनका पता लगाना, जाँच करना और मुकदमा चलाना है।

सहयोग पोर्टल के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

- **अवैध सामग्री हटाना:** यह सरकार की अधिकृत एजेंसियों को इंटरनेट मध्यस्थों (जैसे दूरसंचार ऑपरेटरों, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, आदि) को नोटिस जारी करने में मदद करता है ताकि वे गैरकानूनी सामग्री, डेटा या संचार लिंक को हटा सकें या उस तक पहुँच को अक्षम कर सकें।
- **ऑनलाइन अपराधों पर त्वरित कार्रवाई:** यह साइबर-सक्षम गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की सुविधा प्रदान करता है।
- **समन्वय:** यह सभी अधिकृत एजेंसियों और मध्यस्थों को एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर लाता है, जिससे ऑनलाइन अवैध जानकारी पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित होती है।
- **प्रक्रिया को स्वचालित करना:** यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत मध्यस्थों को सामग्री-अवरोधक नोटिस भेजने की प्रक्रिया को स्वचालित करता है।

IT अधिनियम की धाराएँ:

- **धारा 69A:** यह केंद्र को राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा के लिये विशिष्ट परिस्थितियों में ऑनलाइन कंटेंट तक सार्वजनिक पहुँच को अवरुद्ध करने का अधिकार देती है।
- **धारा 79:** यह ऑनलाइन मध्यस्थों को "सेफ हार्बर" संरक्षण प्रदान करती है, तथा यदि वे तटस्थता से कार्य करते हैं तो उन्हें तीसरे पक्ष की विषय-वस्तु के लिये उत्तरदायित्व से संरक्षण प्रदान करती है।
- **धारा 79(3)(b)** के तहत, यदि मध्यस्थ अनुचित कंटेंट से संबंधित नोटिस पर शीघ्र कार्यवाही करने में विफल रहते हैं तो वे इस प्रतिरक्षा को खो देते हैं।

सहयोग पोर्टल कैसे काम करता है?

1. **नोटिस जारी करना** - अधिकृत एजेंसी के नोडल अधिकारी पोर्टल के माध्यम से प्लेटफॉर्म को अवैध सामग्री हटाने का नोटिस भेजते हैं।
2. **प्लेटफॉर्म का जवाब** - नोटिस मिलने पर प्लेटफॉर्म एजेंसी को बताता है कि उसने क्या कार्रवाई की है।
3. **सामग्री हटाना या जानकारी माँगना** - प्लेटफॉर्म नोटिस के आधार पर सामग्री हटा सकता है या अतिरिक्त जानकारी माँग सकता है।
4. **अनुपालन न करने का अनुरोध** - यदि प्लेटफॉर्म सामग्री हटाना उचित न समझे तो कारण बताकर पालन से मना कर सकता है।
5. **एजेंसी की समीक्षा** - एजेंसी कारणों को देखकर सहमत हो तो मामला बंद, असहमत हो तो पुन: अनुपालन का अनुरोध करती है।
6. **अंतिम प्रतिक्रिया** - प्लेटफॉर्म मान ले तो मामला समाप्त, वरना एजेंसी शो-कॉज़ नोटिस जारी करती है।
7. **अंतिम कार्रवाई** - शो-कॉज़ नोटिस के उत्तर पर एजेंसी निर्णय लेती है। अस्वीकार होने पर आईटी नियम, 2021 के **नियम 7** के तहत कार्रवाई की जाती है और प्लेटफॉर्म की **सेफ हार्बर सुरक्षा (Section 79)** समाप्त हो सकती है।

भारत–भूटान रेल परियोजना / India-Bhutan Rail Project

संदर्भ:

भारत और भूटान की सरकारों के बीच सीमा पार रेलवे परियोजनाएं शुरू करने के लिए अहम सहमति बन गई है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस बात की घोषणा कर दी है। जानकारी के मुताबिक, ये भारत और भूटान के बीच ऐसी पहली क्रॉस बॉर्डर रेल परियोजना होने जा रही है।

भारत–भूटान रेल परियोजना (कोकराझार–गेलेफू रेल लाइन):

मुख्य तथ्य

- **रेल लाइन की लंबाई:** कुल लगभग **90 किमी**
  - कोकराझार से गेलेफू तक **69 किमी**
  - इसमें से **2.39 किमी भूटान** की तरफ होगी।
  - कुल मिलाकर लगभग **89 किमी रेलवे नेटवर्क** बनाया जाएगा।
- **स्टेशनों की संख्या:** 6 स्टेशन
- **पुल और ब्रिज:**
  - 2 **महत्वपूर्ण पुल**
  - 29 **बड़े पुल**
  - 65 **छोटे पुल**
  - 1 **रोड ओवर ब्रिज (ROB)**
  - 39 **रोड अंडर ब्रिज (RUB)**
- **समय सीमा:** परियोजना **4 वर्षों** में पूरी होगी।
- **अनुमानित लागत (Estimated Cost):** लगभग **₹4033 करोड़**

रेल परियोजना का मकसद:

- **व्यापारिक संबंध मजबूत करना:** भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भूटान का ज्यादातर **फ्री ट्रेड भारतीय बंदरगाहों** के माध्यम से होता है।
- **अर्थव्यवस्था का विकास:** परियोजना भूटानी अर्थव्यवस्था के **सतत विकास** में योगदान देगी।
- **बेहतर कनेक्टिविटी और नेटवर्क:** भूटानी लोगों को **वैश्विक नेटवर्क तक बेहतर और निर्बाध रेल संपर्क** प्रदान करना।
- **उद्देश्य का सार:** इस पूरी परियोजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य **व्यापार, कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास** को बढ़ावा देना है।

भारत–भूटान संबंध: रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक साझेदारी-

1. कूटनीतिक संबंध

- औपचारिक कूटनीतिक संबंध: **1968** में स्थापित।
- नींव: **1949 की मैत्री और सहयोग संधि**, जिसे **2007** में संशोधित किया गया।

2. विकास सहयोग

- भारत भूटान का प्रमुख विकास सहयोगी है।
- सहयोग की योजना: **वार्षिक योजना वार्ता (Plan Talks)** के माध्यम से तय।
- सहयोग के क्षेत्र: बुनियादी ढाँचा, सड़क, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी।
- हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स:
  - पेयजल आपूर्ति नेटवर्क
  - सिंचाई नहरें
  - ग्रामीण सड़कें
  - प्राथमिक स्वास्थ्य इकाइयाँ
  - अन्य ग्रामीण अवसंरचना
- भारत **प्रत्यक्ष बजटीय सहायता** भी प्रदान करता है।

भारत–भूटान वार्षिक व्यापार (Annual Trade)

- **2024–25 में व्यापार:** लगभग **$1.78 अरब**
- **भारत का महत्व:**
  - भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार
  - भूटान के कुल व्यापार का लगभग **80% भारत के साथ होता है**

Annual trade overview

Trade figures from 2021–22 through 2024–25 show consistent growth in India's exports to Bhutan and fluctuating, but generally significant, imports from Bhutan.

Year	Export to Bhutan	Import from Bhutan	Total Trade
2021–22	$885 million	$545 million	$1.43 billion
2022–23	$1.08 billion	$535.61 million	$1.61 billion
2023–24	$963.73 million	$339.11 million	$1.3 billion
2024–25	$1.26 billion	$513.44 million	$1.78 billion

भारत में अपराध 2023 - एनसीआरबी रिपोर्ट / Crime in India 2023 – NCRB Report

संदर्भ:

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) ने **Crime in India 2023** रिपोर्ट जारी की है, जो दो साल के अंतराल के बाद पेश की गई। रिपोर्ट में **साइबर अपराधों में महत्वपूर्ण वृद्धि** उजागर हुई है। डेटा से पता चलता है कि भारत की डिजिटल प्रणाली में कमजोरियां बढ़ रही हैं, और धोखाधड़ी, जबरन वसूली और यौन शोषण जैसे अपराध प्रमुख कारण बनकर सामने आए हैं।

भारत में अपराध (NCRB 2023) – प्रमुख निष्कर्ष:

1. कुल अपराध आंकड़े-

- **कुल अपराध में वृद्धि:** 7.2%, कुल **6.24 मिलियन मामले** (2023 में औसतन हर पांच सेकंड में एक अपराध)।
- **पारंपरिक हिंसक अपराध:**
  - हत्या ↓ 2.8%
  - बलात्कार ↓ 5.9%
- **बढ़ते अपराध:**
  - **साइबर अपराध** में तेज़ी
  - **आर्थिक अपराध** में वृद्धि
  - **अन्य अपराध**:
    - सार्वजनिक मार्ग में बाधा (Sec.283 IPC) ↑ 62%
    - मोटर वाहन अधिनियम उल्लंघन ↑ 103%

2. संवेदनशील वर्गों के खिलाफ अपराध:

- **महिलाओं के खिलाफ अपराध:** मामूली वृद्धि 0.7% (**448,211 मामले**)
- **अनुसूचित जातियों (SC) के खिलाफ:** ↑ 0.4% (**57,789 मामले**)
- **बच्चों के खिलाफ अपराध:** ↑ 9.2%
- **अनुसूचित जनजातियों (ST) के खिलाफ:** ↑ 28.8%

साइबर अपराध (Cybercrime) – 2023:

1. बढ़त और रुझान

- **2023 में कुल मामले:** 86,420 (2022 में 65,893) ⟶ वृद्धि **31.2%**
- **साइबर अपराध दर:** 2022 - 4.8% ⟶ 2023 - 6.2%
- **लगातार वृद्धि (2018–2023):**
  - 2018 - 27,248
  - 2019 - 44,735
  - 2020 - 50,035
  - 2021 - 52,974
  - 2022 - 65,893
  - 2023 - 86,420

2. साइबर अपराध के पीछे उद्देश्य (Motives)

उद्देश्य (Motive)	प्रतिशत (%)	मामले (Cases)
धोखाधड़ी (Fraud)	68.9%	59,526
यौन शोषण (Sexual exploitation)	4.9%	4,199
उगाही (Extortion)	3.8%	3,326

राज्यवार साइबर अपराध – 2023:

- **कर्नाटक:** 2023 में सबसे अधिक **21,889 मामले** दर्ज हुए। यह संख्या 2021 के **8,136** और 2022 के **12,556** मामलों से काफी बढ़ी है। इसमें **18,166 मामले** धोखाधड़ी के और **1,007 मामले** अश्लील वीडियो ट्रांसफर के थे।
- **तेलंगाना:** 2023 में कुल **18,236 मामले** दर्ज हुए, जो 2022 के **15,297** मामलों से बढ़ोतरी है।
- **उत्तर प्रदेश:** 2023 में कुल **10,794 मामले**, जो 2022 के **10,117** मामलों से अधिक हैं।

NCRB – National Crime Records Bureau:

स्थापना (Genesis):

- NCRB की स्थापना **1986** में हुई।
- यह स्थापना **Tandon Committee**, **National Police Commission (1977–1981)** और **MHA की Task Force (1985)** की सिफारिशों पर आधारित है।

अधिकार मंत्रालय (Ministry): **गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs – MHA)** के अंतर्गत आता है।

मुख्य कार्य (Key Functions):

1. **अपराध और अपराधियों की जानकारी का भंडारण:** यह अपराधियों और अपराधों की जानकारी का **रिपॉजिटरी** है, जो जांचकर्ताओं को अपराध समाधान में मदद करता है।
2. **CCTNS का समन्वय: Crime and Criminal Tracking Network & Systems (CCTNS)** का संचालन और समन्वय।
3. **राष्ट्रीय अपराध सांख्यिकी का प्रकाशन (Publication of National Crime Statistics):**
   - Crime in India
   - Accidental Deaths & Suicides
   - Prison Statistics

गरीबी रेखा / Poverty Line

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के अर्थशास्त्रियों ने **रंगराजन समिति (2014)** द्वारा स्थापित गरीबी रेखा को अपडेट किया है। इसके लिए उन्होंने **2022-23 के नवीनतम हाउसहोल्ड कंजम्पशन एक्सपेंडिचर सर्वे (HCES)** के आंकड़ों का उपयोग किया। यह कदम भारत में गरीब और कमजोर वर्गों की आर्थिक स्थिति को और सटीक तरीके से समझने में मदद करेगा।

गरीबी रेखा (Poverty Line):

परिभाषा (Definition)

- गरीबी रेखा वह **आय या उपभोग स्तर (threshold level)** है, जिससे यह तय किया जाता है कि कोई व्यक्ति या परिवार गरीब है या नहीं।
- इस रेखा से **नीचे जीवन यापन करने वाले** व्यक्ति बुनियादी आवश्यकताओं (खाना, आवास, कपड़े, शिक्षा और स्वास्थ्य) को पूरा करने में असमर्थ माने जाते हैं।

महत्त्व (Importance)

- सरकार को गरीबी की **व्याप्ति का अंदाज़ा** लगाने में मदद करता है।
- गरीबों के लिए **कल्याणकारी नीतियाँ** बनाने और उनकी सफलता का मूल्यांकन करने में सहायक।

रंगराजन समिति (Rangarajan Committee – 2014)

- गठित: 2012, रिपोर्ट प्रस्तुत: 2014
- सिफारिशें:
  - **ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों** के लिए अलग उपभोग बास्केट।
  - ग्रामीण गरीबी रेखा: ₹972/माह (**₹32/दिन**)
  - शहरी गरीबी रेखा: ₹1,407/माह (**₹47/दिन**)
  - इसके अनुसार **2011–12 में भारत की 29.5% आबादी गरीब** मानी गई।

सरकारी स्थिति: सरकार ने रंगराजन समिति की रिपोर्ट पर निर्णय नहीं लिया।

- इसलिए वर्तमान में **गरीबी का आंकलन टेंडुलकर गरीबी रेखा** के आधार पर किया जाता है।

SODAR / Sound Detection and Ranging

संदर्भ:

CSIR के फाउंडेशन डे के अवसर पर **इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (IMD)** में **SODAR (Sound Detection and Ranging) सिस्टम** सुविधा का उद्घाटन किया गया। यह तकनीक वायुमंडलीय अध्ययन और मौसम विज्ञान में उन्नत माप और निगरानी को सक्षम करेगी।

SODAR (Sound Detection and Ranging) – परिचय:

विकास और उद्देश्य:

- **डेवलपर:** CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI), भोपाल।
- **MoU:** विभिन्न स्थानों पर SODAR डेटा साझा करने के लिए, जिससे **मौसम पूर्वानुमान, डेटा वैलिडेशन और अनुसंधान** में सहायता मिले।
- **लाभ:**
  - मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान में प्रगति
  - पर्यावरण अध्ययन में मदद
  - अनुसंधान समुदाय और राष्ट्रीय आपदा तैयारी के लिए उपयोगी

SODAR की कार्यप्रणाली:

- **उद्देश्य:** निचली वायुमंडल (लगभग 1 किमी तक) की **थर्मल स्ट्रक्चर, टरबुलेंस, इनवर्ज़न लेयर्स, धुंध और धुएँ के स्तंभ** का अध्ययन।
- **प्रयोजन:** एयर क्वालिटी मॉडलिंग, पूर्वानुमान, और मौसम संबंधी डेटा की व्याख्या।

कार्य करने का तरीका:

1. एंटेना के माध्यम से एक्यूस्टिक पल्स ऊपर की ओर भेजे जाते हैं।
2. पल्स **थर्मल असमानताओं और हवा** के साथ इंटरैक्ट कर स्कैटर होते हैं।
3. **बैकस्कैटरेड पल्स** को वही एंटेना रिसीव करता है (Monostatic System)।
4. संकेतों को **एम्प्लीफाई, प्रोसेस और Echogram** के रूप में डिस्प्ले किया जाता है।

मुख्य उपयोग (Applications):

- **मौसम विज्ञान (Meteorology):** वायु, तापमान और टरबुलेंस की ऊर्ध्वाधर प्रोफाइल मापना।
- **वायु प्रदूषण निगरानी:** प्रदूषकों के फैलाव का अध्ययन।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Baaten Bazar Ki
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

EMI AVAILABLE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR